Roll No.....

S-2401

M.A. (Fourth Semester)

EXAMINATION, 2022-23

SANSKRIT

Paper Second

[नाट्य एवं नाट्यशास्त्र]

Time : 2.30 Hours] **[Maximum Marks : 80**

नोट– इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड हैं : खण्ड 'अ' तथा 'ब'। खण्ड 'अ' तथा 'ब' प्रत्येक से किन्हीं चार–चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही दीजिए। अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका नहीं दी जायेगी।

खण्ड–अ

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

4 × 5 = 20

नोट– अधोलिखित श्लोकों में से किन्हीं चार की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

1. समरव्यसनी प्रमादशून्यः ककुदोवेदविदां तपोधनश्च।
पखारणबाहुयुद्धलुब्धः क्षितिपालः किलशूद्रकोबभूव।।

2. द्वारिद्रयान्मरणाद्वा मरणं मम रोचते न द्वारिद्रयम्।
अल्पक्लेशं मरणं द्वारिद्रयमनन्तकं दुःखम्।।

3. निवासश्चिन्तायाः परपरिभवो वैरमपरं,
जुगुप्सा मित्राणां स्वजनजनविद्वेषकरणम्।
वनं गन्तुं बुद्धिर्भवति च कलत्रात् परिभवो
हृदिस्थः शोकाग्निर्न च दहति सन्तापयति च।।

4. लिम्पतीव तमोऽगानि वर्षतीवांजनं नभः।
असत्पुरुषसेवेव दृष्टिर्विफलतां गता।।

5. कः श्रद्धास्यति भूतार्थं सर्वो मां तूलयिष्यति।
शंकनीया हि लोकेस्मिन् निष्प्रतापा दरिद्रता।।

6. मयाप्ता महती बुद्धिर्भवती मनुगच्छता।
निशायां नष्टचन्द्रायां दुर्लभो मार्गदर्शकः।।

7. केशवगात्रश्यामः, कुटिल–बलाकावली–रचितशंखः।
विद्युद्गुणकौशेयश्चक्रधर इवोन्नतो मेघः।।

8. भाग्यानि मे यदि तदा मम कोऽपराधो,
यद्वन्यनाग इव संयमितोऽस्मि तेन।
दैवी च सिद्धिरपि लंघयितुं न शक्या,
गम्यो नृपो बलवता सह को विरोधः।।

खण्ड–ब

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

15 × 04 = 60

9. संस्कृत नाट्य साहित्य में 'मृच्छकटिकम्' का स्थान निर्धारित कीजिए।

10. मृच्छकटिकम् के आधार पर चारुदत्त का चरित्र चित्रण कीजिए।

11. दशरूपक के प्रतिपाद्य विषय पर प्रकाश डालिए।

12. दशरूपक के आधार पर नाट्य के स्वरूप एवं भेदों का निरूपण कीजिए।

13. दशरूपक के आधार पर 'पंच कार्यावस्थाओं' का विस्तृत विवेचन कीजिए।

14. अधोलिखित पर टिप्पणी लिखिए–

    (क) विष्कम्भक

    (ख) प्रवेशक

    (ग) जनान्तिक

15. दशरूपक में निरूपित नायिका–भेद पर प्रकाश डालिए।

16. 'मृच्छकटिकम्' नाटक के आधार पर तत्कालीन सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक स्थिति का विश्लेषण कीजिए।